25.	M/s. Fabiroo Gift House	July 1985
26.	M/s. Khadi Gramodyog Bhawan	October 1958
27.	M/s. M. Ahmed Joo	November 1960
28.	M/s. Maharani of India	February 1962
29.	M/s. Burlingtons	November 1956
30.	M/s. Victory Carpets	August 1982
31.	M/s. Kashmir Govt. Arts Emporium	February 1968
32.	M/s. Regal Shops	September 1974
33.	M/s. Konark	July 1975
34.	M/s. Incas Ken	January 1978
35.	M/s. Incas	December 1975
36.	M/s. Lakme Limited	November 1971

Position of Vayudoot Staff after merger with I.A.

4208. SHRI DIGVIJAY SINGH : Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Vayudoot employees have been extended pay perquisites and other service conditions consequent to the merger of Vayudoot with Indian Airlines as applicable to Indian Airlines employees from the effective date of merger; if not, the reasons therefor:

(b) what is the total staff strength of Vayudoot as on date:

(c) what is the percentage of staff declared surplus and Government decision on such surplus staff; and

(d) what are the advantages achieved till date consequent to the merger of I.A. . with Vayudoot ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) Vayudoot employees continue to draw the same pay and allowances as they were drawing earlier, since Vayudoot continues to be a distinct entity in Indian Airlines.

(b) The total staff strength of Vayudoot as on 1-8-93 is 1,490.

(c) None of the staff has been declared surplus.

(d) Indian Airlines is providing increased technical and material support. Besides taking steps for qualitative improvement in operational areas, integrated fleet planning and flight scheduling are being considered to provide more viable and co-ordinated air services. Action has also been initiated to induct modern fuel efficient aircraft to improve reliability and viability of operations.

बिहार में भारत पर्यटन विकास निगम का कार्यालय

4209. **श्री ब्रह्मदेव आनन्द पासवान :**
श्री शारदा भड़नली :
श्री सोमपाल :

क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार में भारत पर्यटन विकास निगम का एकमात्र कार्यालय पटना में स्थित है और उस कार्यालय में निदेशक का पद कई वर्षों से रिक्त पड़ा है;

(ख) इसके क्या कारण हैं और इस संबंध में सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है;

(ग) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि सुदूर पूर्व के विभिन्न देशों, अफ्रीका और दक्षिण अमरीका में भारी संख्या में बिहार मूल के लोग रहते हैं और ये लोग प्राय: अपने पूर्वजों के स्थान देखने के लिए भारत आना चाहते हैं;

(घ) क्या केन्द्रीय सरकार ऐसे लोगों को भारत आने के लिए आकर्षित करने हेतु बिहार में पर्यटन के विकास की कोई योजना बनाने का विचार रखती है ताकि भारत भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा अर्जित कर सके तथा इन देशों के साथ हमारे सांस्कृतिक संबंध भी सुदृढ़ बनें; और

(ङ) यदि हां, तो कब तक और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आज़ाद) : (क) और (ख) भारत पर्यटन विकास निगम का पटना में एक होटल है और उस होटल में एक प्रधान प्रबंधक है । वह इस समय अपने पद पर तैनात है ।

(ग) जी, हां ।

(घ) और (ङ) पर्यटन विभाग की विदेशों में रह रहे बिहार मूल के लोगों को बिहार की यात्रा करने के लिए आकृष्ट करने की कोई विशिष्ट योजना नहीं है । पर्यटन विभाग विदेश स्थित अपने कार्यालयों के जरिए बिहार सहित सामान्य रूप से भारत का पर्यटन संवर्धन करता है । बिहार में पर्यटन का संवर्धन करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश तथा बिहार में चुनिंदा बौद्ध स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं का विकास करने हेतु सरकार ने ओ ई सी एफ (विदेशी आर्थिक सहयोग कोष), जापान के साथ 100 करोड़ रु० से अधिक के ऋण करार पर हस्ताक्षर किए हैं ।